

[1000+] मराठी समानार्थी शब्द - Samanartha shabd in marathi

- अनल = अग्नी, विस्तवः पावक, वन्ही
- अभिनय = हावभाव, अंगविक्षेप
- अभिनेता = नट
- अभियान = मोहीम
- अमित = असंख्य, अगणित, अपार
- अमृत = सुधा, पीयूष, अपार
- अरण्य = रान, कानन, वन, विपीन
- अर्जुन = पार्थ, धनंजय, फाल्गुन
- अश्व = घोडा, हय, तुरग, वारू, वाजी
- अही = सर्प, साप, भुजंग, व्याल
- आई = माता, जननी, माय, जन्मदा
- घर = सदन, भवन, गृह, गेह, आलय
- घास = कवळ, ग्रास,
- चंद्र = इंद्र, शशी, विधू, सोम, हिमांशू
- गर्व = अहंकार, ताण
- गणपती = गजानन, लंबोदर
- गौरव = अभिनंदन, सन्मान
- चांदणे = चंद्रिका, कौमुदी, ज्योत्स्ना
- जमीन = भु, भूमी, भुई, धरा
- जरब = दरारा, दहशत, वचक, धाक
- झाड = वृक्ष, तरु, पादक, द्रुम, रुख
- डोके = शीर, मस्तक, मुर्धा, शीर्ष
- डोळा = नयन, लोचन, नेत्र, अक्ष
- डौल = दिमाख, ऐट, रुबाव
- ढग = जलद, अंबुद, पयोधर, पयोद
- ढेकूण = मुतकून, खटमल
- तलवार = खडग, समशेर
- तलाव = तटाक, तडाग, कासार
- तोंड = वदन, आणण, मुख, तुंड
- दिवस = वार, वासर, दिन, अह
- देऊळ = मंदिर, राऊळ, देवालय
- देव = सूर, ईश्वर, अमर, ईश
- देह = शरीर, तनु, तन, काया
- नवरा = पती, वल्लभ
- आकाश = गगन, अंबर, व्योम, नभ, तारांगण, अंतरिक्ष, ख, अंतराळ, आभाळ
- आठवण = स्मरण, स्मृती
- आनंद = मोद, तोष, प्रमोद, हर्ष, संतोष
- आवाहन = विनंती

- आश्चर्य = नवल, विस्मय, अचंबा
- आहार = भोजन, खाद्य
- इंद्र = देवेन्द्र, नाकेश, शक्र, सुरेंद्र, पुरंदर, वज्रपाणी, वासव, सहस्रक्ष
- उदरनिर्वाह = चरितार्थ
- ऋषी = मुनी, साधू
- कपाळ = निढळ, भाल, ललाट, निटील
- कमळ = अंबुज, पंकज, नीरज, राजीव, नलिनी, अब्ज, सरोज
- कावळा = वायस, एकाक्ष, काक
- काळजी = चिंता, फिकीर, विवंचना
- काळोख = अंधार, तिमिर, तम
- किरण = कर, अंशु, रश्मी
- गणपती = गजानन, वक्रतुंड, लंबोदर, गजमुख, विघनहर्ता, विनायक, विकट, हेरंब, गणेश, विघ्नेश, गौरीनंदन, गौरीसुत, गौरीनंदन, गौरीसुत, व्यंकटेश
- गरज = जरुरी, आवश्यकता, निकड
- गर्व = अहंकार, ताठा
- गौरव = अभिनंदन, सन्मान
- दूध = दुग्ध, पय, क्षीर
- देऊळ = मंदिर, राऊळ, देवालय
- देव = सूर, ईश्वर, अमर, निर्जर, परमेश्वर, ईश
- देह = शरीर, तनु, तन, काया, वपु
- दैत्य = राक्षस, दानव, असुर
- धन = संपत्ती, द्रव्य, संपदा, दौलत
- धनुष्य = चाप, कोदंड, कमठा, धनु, कारमुक
- नदी = सरिता, टटीनी, तरंगिनी
- नमस्कार = वंदन, नमन, प्रणिपात, अभिवादन
- नवरा = पती, वल्लभ, भ्रतार, धव, कांत
- नोकर = चाकर, सेवक, दास
- पत्नी = भार्या, बायको, कलत्र, अर्धांगी, कांता, दारा, जाया
- पराक्रम = शौर्य, प्रताप, विक्रम, बहादूरी
- पर्वत = अचल, नग, अद्री, शैल, गिरी
- पक्षी = खग, विहग, विहंग, अंडज, द्विज, पाखरू
- पाणी = जल, अंबु, पय, निर, तोय, उदक, जीवन, सलील, वारी
- पान = पल्लव, पर्ण, पत्र
- पाय = पद, पाद, चरण
- पुढारी = नेता, नायक, अग्रणी
- पुरुष = नर, मर्द
- पृथ्वी = धरती, धरणी, वसुंधरा, धरित्री, भु, भूमी, धरा, मही, क्षमा, रसा
- पोपट = शुक्र, राघू, रावा
- प्रघात = चाल, पद्धत, रीत, रिवाज
- प्रवीण = निपुण, कुशल, हुशार, पटू, तरबेज, निषणात

- प्रसिद्ध = प्रख्यात, नामांकित, ख्यातनाम, विख्यात
- प्रासाद = वाडा, मंदीर
- प्रेम = प्रीती, लोभ, अनुराग
- फुल = पुष्प, सुमन, कुसुम, सुम
- बळ = शक्ती, जोर, सामर्थ्य, ताकद
- बाग = बगीचा, उद्यान, उपवन
- बाण = शर, तिर, सायक
- बाप = पिता, वडील, तात, जनक, जन्मदाता
- विकट = कठीण, अवघड
- ब्रम्हदेव = ब्रम्हा, चतुरानन, कमलसन, विरंची, विधी, प्रजापति
- ब्राम्हण = द्विज, विप्र
- बेडूक = मंडुक, दरदुर
- भरभराट = उत्कर्ष, प्रगती, समृद्धी
- भाऊ = भ्राता, बंधू, सहोदर
- भांडण = तंटा, कलह, झगडा, कज्जा
- भुंगा = भ्रमर, अली, मधूप, मिलिंद, मधुकर, भृंग
- महा = महान, मोठा
- माणूस = मनुष्य, मनुज, मानव
- मासा = मिन, मत्स्य
- मित्र = स्नेही, सखा, दोस्त, सोबती, सवंगडी
- मुनी = ऋषी, साधू
- मुलगा = सूत, तनय, आत्मज, तनुज, पुत्र, नंदन
- मुलगी = सुता, तनया, तनुजा, कन्या, आत्मजा, दुहीता, नंदिनी
- यज्ञ = मख, याग, होम
- युद्ध = लढाई, संगर, झुंज, संग्राम, समर, रण
- रस्ता = मार्ग, पथ, वाट, पंथ
- राग = संताप, क्रोध, त्वेष, रोष, कोप
- राजा = भूपती, भूप, नृप, नरेश, नरेंद्र, भूपाल, नृपती, राय, लोकपाल, भूमिपाल, पृथ्वी, पती, प्रजापति, भुपेंद्र
- रात्र = रजनी, यामिनी, निशा
- लघुता = लहान, कमीपणा
- लक्ष्मी = श्री, रमा, कमला, इंदिरा, पद्मा, वैष्णवी
- वल्लरी = वेल, लता
- वस्त्र = वसना, अंबर, पट
- वाघ = व्याघ्र, शार्दूल
- वानर = मर्कट, कपी, शाखामृग
- वानगी = उदाहरन, दाखला
- वारा = भवन, अनिल, मारुत, समीर, वायू, वात, समीकरण
- विहार = क्रीडा, सहल, भ्रमण
- विष्णू = श्रीपती, रमापती, रमेश, चक्रापानी, अच्युत, केशव, नारायण, माधव, गोविंदा, मधुसूदन, त्रिविक्रम, पुरोषोत्तम, वासुदेव, ऋषिकेश, पदमनाभ, पितांबर, शेषशायी

- वीज = चपला, तडीत, बिजली, विद्युत, सौदामिनी, विद्युलता
- वेदना = यातना, कळ, दुःख, व्यथा, शूळ
- शंकर = महेश, त्र्यंबक, रुद्र, भालचंद्र, चंद्रशेखर, पार्वतीश, महादेव, सदाशिव, कैलासनाथ, महेश्वर, नीलकंठ, शिव, सांब, दिगंबर, त्रिनेत्र
- शक्ती = ताकद, जोम, जोर, सामर्थ्य
- शेष = अनंत, वासुकी
- शेतकरी = कृषक, कृषिवल
- सकल = समस्त, सर्व, अखिल, निखिल, सगळा
- समुद्र = सागर, उद्दी, सिंधू, अर्णव, अंबुध्दी, पयोधी, जलधी, वारीराशी, रत्नाकर
- साप = सर्प, उरग
- संघर्ष = कलह, झगडा, टक्कर, भांडण
- संसर्ग = संपर्क, संबंध, सहवास
- संहार = नाश, विध्वंस, विनाश, सर्वनाश
- सह्याद्री = सह्यापर्वत, सह्याचल, सह्यागिरी
- सिंह = केसरी, पंचानन, मृगेंद्र, मृगराज, वनराज
- सीमा = मर्यादा, हद्द
- स्त्री = अबला, महिला, ललना, वनीता, नारी, अंगना, कामिनी
- सुंदर = सुरेख, रम्य, रमणीय, ललित, मनोहर, अभिराम
- सुरुवात = आदी, आरंभ, प्रारंभ
- सूर्य = रवी, भास्कर, मित्र, आदित्य, सविता, अर्क, भानू, चंडांशु, दिनकर, दिनमनी, प्रभाकर, दिवाकर, सहस्रकर, सहस्ररश्मी, मार्तंड, वासरमनी
- सेनापती = सेनानी, सेनानायक
- सोने = सुवर्ण, कनक, कांचन, हिरण्य, हेम
- हत्ती = गज, कुंजर, वारण, नाग
- हरीण = मृग, कुरंग, सारंग
- हात = हस्त, कर, पाणी, भुज, बाहू
- हृदय = अंतःकरण, अंतर
- होडी = नाव, नौका, तर
- क्षेम = कल्याण, हित, कुशल
- ज्ञाता = सुज्ञ, शहाणा, जाणणारा, तज्ज्ञ, ज्ञानी
- अपराध = गुन्हा
- अग्नी = आग, अनल, पावक, विस्तव
- अत्याचार = अन्याय, जुलूम
- अचल = स्थिर, शांत, पर्वत
- अपाय = त्रास, इजा
- अमृत = पियुष, सुधा, संजीवनी
- अवचित = एकदम, अचानक
- आई = माता, जननी, माऊली, माय, मातोश्री, जन्मदात्री
- आरसा = दर्पण
- आकाश = गगन, नभ, अंबर, व्योम, ख, आभाळ

- आयुष्य = जीवन
- आनंद = हर्ष, मोद, तोष, आमोद
- आश्चर्य = नवल, अचंबा
- अंतरिक्ष = अवकाश
- इहलोक = मृत्यूलोक
- इशारा = सूचना, खून
- इंद्र = सुरेंद्र, देवेंद्र
- उणीव = कमतरता, न्यून, न्यूनता
- उपवन = बगीचा, बाग, उद्यान, वाटिका
- उदर = पोट
- कष्ट = मेहनत
- करमणूक = मनोरंजन
- कट = कारस्थान
- कटी = कंबर
- कठोर = निर्दय
- कनक = सोने, कांचन, हेम
- कमळ = पंकज, अंबुज, राजीव, पुष्कर, पदम, सरोज, कुमुदिनी
- कपाळ = ललाट, भाल, मस्तक
- काठ = तिर, किनारा, तट
- कान = कर्ण, श्रवण, श्रोत्र
- कावळा = काक, एकाक्ष, वायस
- काष्ठ = लाकूड
- किल्ला = गड, तट, दुर्ग
- किमया = जादू, चमत्कार
- कुटी = झोपडी
- कृपण = कंजूष, चिकू
- कृश = हडकूळा
- खडक = दगड, पाषाण
- गवई = गायक
- ग्रंथ = पुस्तक
- गनीम = शत्रू, अरी
- गणपती = गजानन, लंबोधर, विनायक, एकदंत, गौरीसुत, प्रथमेश, गणनायक, गणराज, अमेय, गजवंदन, गौरीनंदन, विघ्नहर्ता
- गरुड = खगेंद्र, द्विजराज, वैनतेय
- गृहिणी = घरधनिन
- गाणे = गीत
- गाय = धेनु, गो, गोमाता
- गोष्ट = कथा, कहाणी
- गौरव = सत्कार
- गंध = वास, परिमळ

- घर = सदन, गृह, निवास, भवन, गोह, आलय, निकेतन
- घोडा = हय, तुरग, वारू
- चेहरा = तोंड, मुख, वदन
- छंद = नाद, आवड
- छिद्र = भोक
- जरा = म्हातारपण
- जयघोष = जयजयकार
- जिन्नस = पदार्थ
- जिव्हाळा = माया, प्रेम, ममता
- जीर्ण = जुने
- ज्येष्ठ = मोठा, वरिष्ठ
- झाड = वृक्ष, तरु
- झुंबड = गर्दी, रीघ, थवा
- झुंज = लढा, संग्राम, संघर्ष
- झेंडा = ध्वज, निशाण, पताका
- झोका = हिंदोळा
- टंचाई = कमतरता
- ठसा = खुण
- ठग = लुटारू
- ठक = लबाड
- ठेकेदार = कंत्रादार, मक्तेदार
- डोके = मस्तक, शीर, माथा
- तरुण = जवान, युवक
- तरु = वृक्ष, झाड
- तारे = तारका, चांदण्या, नक्षत्रे
- तारू = जहाज, गलबत
- तिमिर = अंधार, काळोख
- तृषा = तहान, लालसा
- तृण = गवत
- तुरुंग = कारागृह, कैदखाना, बंदीखाना
- थंड = शीत, गार, शीतल
- थवा = समुदाय, घोळका, गट, चमू, जमाव
- दंत = दात
- दंडवत = नमस्कार
- दास = चाकर, नोकर
- दारा = बायको, पत्नी
- दानव = राक्षस, दैत्य, असुर
- दागिना = अलंकार, भूषण
- दिन = दिवस
- दीन = गरीब

- दुजा = दुसरा
- दुनिया = जग
- दुर्दशा = दुरवस्था दु : स्थिती
- दुर्धर = कठीण, गहन
- देव = सूर, ईश्वर, ईश, परमेश
- दैन्य = दारिद्र्य
- धरती = धरणी, पृथ्वी, वसुंधरा, वसुधा, मही, भूमी, क्षोणी, धरित्री, अबनी, रसा
- धवल = पांढरे, शुभ्र
- धनुष्य = चाप, कोदंड, धनु, तीरकमठा
- धन = पैसा, संपत्ती, द्रव्य, वित्त, संपदा
- नगर = शहर, पूर, पुरी
- नजराणा = भेट, उपहार
- नवनीत = लोणी
- नदी = सरिता, तटिनी, जीवनदायिनी
- नृप = राजा, भूप, भूपती, भूपाळ, नरेश, महिपती
- नाथ = धनी, स्वामी
- नारळ = श्रीफळ, नारियल
- निर्जन = ओसाड
- निरझर = झरा
- निर्मळ = स्वच्छ
- नीच = तुच्छ, अधम, चांडाळ
- नेता = नायक, पुढारी
- नौदल = आरमार
- पशु = प्राणी, जनावर, श्वापद
- पती = नवरा, भ्रतार
- पर्वत = नग, अद्री, गिरी, अचल, शैल
- परिमल = सुवास, सुगंध
- पाणी = जल, पय, उदक, वारी, निर, सलील, जीवन
- पारंगत = निपुण, तरबेज
- पान = पर्ण, पत्र, पल्लव
- पोपट = राघू, रावा, शुक्र, किर
- पंक = चिखल
- पंक्ती = रांग, ओळ, पंगत
- पंडित = शास्त्री, विदवान, बुद्धिमान
- प्रकाश = उजेड, तेज
- प्रजा = लोक, रयत, जनता
- प्रपंच = संसार
- प्रतीक = चिन्ह, खूण
- प्रताप = पराक्रम, शौर्य
- प्राचीन = पूर्वीचा, पुरातन, जुनाट

- प्रातः : काळ = सकाळ, उषा, पहाट
- प्रेम = माया, लोभ, स्नेह
- फुल = पुष्प, सुमन, कुसुम, सुम
- बहर = हंगाम, सुगी
- बक = बगळा
- बाप = वडील, पिता, जनक, जन्मदाता, तात
- बांधेसूद = रेखीव, सुडौल
- बेढव = बेडौल
- बैल = वृषभ, पोळ, खोड
- बंधन = निर्बंध, मर्यादा
- बंधु = भाऊ, भ्राता
- ब्रीद = बाणा, प्रतीक्षा
- भगिनी = बहीण
- भरवसा = विश्वास, खात्री
- भार = ओझे
- भान = शुद्ध, जागृती
- भाऊबंद = नातेवाईक, आप्त, सगेसोयरे
- भुंगा = भ्रमर, भृंग, अली, मिलिंद
- भु = जमीन, धरा, भूमी, धरणी, धरित्री
- भेद = फरक, भिन्नता
- भेकड = भित्रा, भ्याड, भिरु
- महिमा = थोरवी, मोठेपणा, महात्म्य
- मनसुबा = बेत, विचार
- मकरंद = मध
- मलूल = निस्तेज
- मंदिर = देऊळ, देवालय
- मयूर = मोर
- मत्सर = द्वेष, असूया
- मार्ग = रस्ता, वाट, पथ, सडक
- मानव = मनुष्य, माणूस, नर, मनुज
- मित्र = दोस्त, सवंगडी, साथीदार, सोबती, स्नेही
- मुलामा = लेप
- मुलगा = सूत, पुत्र, तनय, नंदन, लेक, तोक
- मुलगी = तनया, दुहीता, कन्या, तनुजा, लेक, सुता, पुत्री, आत्मजा
- मूषक = उंदीर
- मेष = मेंढा
- मोहिनी = भुरळ
- मौज = मजा, गंमत
- मंगळ = पवित्र
- याचक = भिकारी



- यातना = दुःख , वेदना
- यान = अंतराळवाहन
- युवती = तरुणी
- रात्र = रजनी, यामिनी, निशा, रात
- रुक्ष = कोरडे, निरस
- रोष = राग
- रंक = गरीब
- लढा = लढाई, संघर्ष
- लाज = शरम, भीड
- लाडका = आवडता
- लावण्य = सौंदर्य
- वर = नवरा, पती, भ्रतार
- वंदन = नमस्कार, प्रणाम, नमन, अभिवादन, प्रणिपात
- वर्षा = पाऊस, पावसाळा
- वचक = धाक, दरारा
- वत्स्य = वासरु, बालक
- वारा = वायू, वात , अनिल, मरुत, पवन, समीर
- वासना = इच्छा
- वाली = रक्षणकर्ता, कैवारी
- वायदा = करार
- विलंब = उशीर
- विमल = निष्कलंक, निर्मळ
- विवंचना = काळजी, चिंता
- विद्रुप = कुरूप
- विनय = नम्रता
- विस्तृत = विशाल, विस्तीर्ण
- विस्मय = आश्चर्य, नवल
- विलग = सुटे, अलग
- विषण = खिन्न, कष्टी
- वीज = चपला, चंचला, तडीता, बिजली, सौदामिनी, विद्युत, विद्युलता
- वेष = पोशाख
- व्यथा = दुःख
- व्रण = खूण, क्षत
- व्याकुळ = दुःखी, कासाविस
- शव = प्रेत
- शक्ती = बळ, जोर, ताकद, सामर्थ्य, ऊर्जा
- शर = बाण, तिर, सायक
- शत्रू = अरी, रिपू, वैरी
- शेज = बिछाना, अंथरूण, शय्या
- शिकारी = पारधी

- शिक्षक = गुरुजी, गुरू, मास्तर
- शीघ्र = जलद
- शीण = थकवा
- शिकस्त = पराकाष्ठा
- सज्जन = संत
- समाधान = आनंद, संतोष
- समुद्र = सागर, सिंधू, रत्नाकर, जलधी, पयोधी, जलनिधी
- समय = वेळ
- साप = सर्प, भुजंग, अहि
- संहार = नाश, विनाश, सर्वनाश, विध्वंस
- स्वच्छ = नीट, निर्मळ, साफ
- स्तुती = प्रशंसा, कौतुक
- साधू = संन्यासी
- साथ = सोबत, संगत
- सुगम = सुलभ, सोपा, सुकर
- सुंदर = सुरेख, छान, देखणे
- सीमा = वेस, मर्यादा, शिव
- सेवक = दास, नौकर
- सैन्य = फौज, दल
- संघ = गट, चमू, समूह
- संशोधक = शास्त्रज्ञ
- संदेश = निरोप
- संकल्प = बेत, मनसुबा
- स्वामी = मालक
- स्वेद = घाम, घर्म
- सूर्य = रवी, भास्कर, भानू, आदित्य, दिनकर, दिनमनी, सविता, वासरमनी, मार्तंड, मित्र
- संग्राम = युद्ध, समर, संगर, लढाई
- संशय = शंका
- सिंह = वनराज, केसरी, मृगेंद्र
- स्त्री = महिला, वनिता, ललना, कामिनी
- हताश = निराश
- हरीण = मृग, सारंग, कुरंग
- हत्ती = गज, कुंजर
- हात = कर, हस्त, पाणी, भुजा, बाहू
- हिम = बर्फ
- हिंमत = धैर्य, धाडस
- हुशार = चतुर, चाणाक्ष
- होडी = नाव, नौका, तर
- क्षत = जखम, व्रण, इजा
- क्षमा = माफी

- क्षय = झीज, ऱ्हास
- क्षीण = अशक्त
- क्षीर = दूध
- क्षुधा = भूक
- क्षेम = कल्याण, हित, कुशल
- क्षोभ = क्रोध
- अगत्य = आस्था
- अग्रज = आधी जन्मलेला
- अग्रपूजा = पहिली पूजा
- अग्र = टोक
- अकल्पित = एकाएकी घडणारे
- आकालीन = अयोग्य वेळचे
- अखंडित = सतत चालणारे
- अगम्य = न समजू शकणारे
- अंडज = पक्षी
- अधर = ओठ, ओष्ट
- अध्ययन = शिकणे
- अध्यापन = शिकवणे
- अंतिम = शेवटचे
- अनुग्रह = कृपा
- अनुज = नंतर जन्मलेला
- अनरुत = खोटे
- अतिथी = पाहुणा
- अभ्युदय = भरभराट
- अवतरण = खाली येणे
- अधनय्य = अजाण
- अस्थीपंजर = हाडांचा सापळा
- अहंकार = गर्व
- अहर्निश = रात्रंदिवस
- अक्षय = नाश न पावणारे
- आगमन = येणे
- आगामी = येणारे
- आयुध = शस्त्र
- आराधना = प्रार्थना
- आरोहण = वर चढणे
- आला = निरबंध
- इडपीडा = सर्व प्रकारचा त्रास
- इतराजी = गैरमर्जी
- इशारा = सूचना
- इष्ट = इच्छित

- उत्सव = समारंभ
- उद्यम = उद्योग
- उपजत = जन्मापासून
- उपद्व्याप = नखटाटोप
- उद्युक्त = तयार
- उपासक = भक्ती करणारा
- उपासना = भक्ती
- उपांत्य = शेवटच्याच्या आधीचा
- उपेक्षा = दुर्लक्ष
- उबग = वीट
- उसंत = विश्रांती
- एकाग्रता = एकातानता
- एकमेव = एकच एक
- एतद्देशीय = या देशाचा
- ओज = तेजस्वीपणा
- ओनामा = सुरुवात
- ओतप्रोत = सर्व बाजूंनी पूर्ण
- औपचारिक = शिष्टाचार म्हणून केलेले कार्य
- कटी = कंबर
- कटु = कडू
- कणव = दया
- कर्मठ = अतिशय धर्मशील
- कलंक = डाग
- कल्पतरू = इच्छित गोष्ट देणारा वृक्ष
- कावडीचुंबक = अतिशय कंजूस
- कशिदा = भरतकाम
- कसब = कौशल्य
- कवळ = घास
- काक = कावळा
- कामधेनू = इच्छित वस्तू देणारी गाय
- कामना = इच्छा
- कारा = तुरंत
- काष्ठ = लाकूड
- किंकर = दास
- किमया = जादू
- कुकर्म = वाईट काम
- कुटीर, कुटी = झोपडी
- कुरबुर = कुरकुर
- कुशल = पटाईत, क्षेम
- कुमक = मदत

- कुठार = कुऱ्हाड
- कूजन = पक्षाचे गाणे
- कूर्म = कासव
- कंनडुक = चेंडू
- खडग = तलवार
- गवाक्ष = खिडकी
- गहन = कळण्यास कठीण
- गूढ = गुप्त गोष्ट
- ग्रस्त = त्रासलेला
- ग्राम = गाव
- गो = गाय, धेनु
- गोधूम = गहू
- घनिष्ठ = दाट, अगदी जवळचे
- धर्म = धाम
- घवघवीत = भरपूर
- चारू = मोहक
- चेतना = जीवनशक्ती
- चौपदरी = झोळी
- चौफेर = चार बाजूंना
- चौर्य = चोरी
- छडा = तपास
- छात्र = विद्यार्थी
- जर्जर = क्षीन झालेला
- जरा = म्हातारपण
- जरब = दरारा
- जामात = जावई
- जिज्ञासू = जाणण्यासाठी उत्सुक
- ज्येष्ठ = मोठा
- ज्वर = ताप
- जान्हवी = गंगा नदी
- तकदीर = दैव
- तमा = पर्वा,फिकीर
- ताम्र = तांबे
- तृण = गवत
- तृष्णा = तहान
- तृशीत = तहानलेला
- त्रागा = डोक्यात राख घालणे
- त्राता = रक्षण कारनारा
- त्रिभुवन = तिन्ही लोक
- ददात = उणीव

- दर्पण = आरसा
- दंभ = ढोंग
- दारा = पत्नी
- दाहक = जाळणारा
- दाम्पत्य = जोडपे, पतिपत्नी
- दुर्ग = किल्ला
- दुर्दशा = वाईट स्थिती
- दुर्धर = कठीण
- दुर्भिक्ष्य = कमतरता
- दुर्मीळ = मिळवण्यासाठी कठीण
- देवाणघेवाण = देणेघेणे
- दैन्यावस्था = वाईट स्थिती
- धवल = पांढरे
- धनु = धनुष्य
- धी = बुद्धी
- नर्तिका = नाचणारी
- नामी = सुंदर
- निर्जन = ओसाड
- निर्झर = झरा
- निगा = काळजी
- निरभ्र = ढग नसलेले
- निंद्य = निंदा करण्यालायक
- पर = पीस, परका
- परार्थ = दुसऱ्यासाठी
- पेय = पाणी, दूध
- पल्लव = पालवि, कोवळे पान
- प्रकाश = उजेड
- प्रबंध = व्यवस्था
- प्राची = पूर्व दिशा
- प्राचीन = पूर्वीच्या काळातील
- पारंगत = निपुण
- पीत = पिवळा
- पियुष = अमृत
- भूजंग = सर्प
- मज्जाव = निर्बंध
- माती = बुद्धी
- मनोरथ = मनातील इच्छा
- मेरू = ऐका पर्वताचे नाव
- यती = सन्यासी
- युती = संयोग

- यातायात = त्रास
- योग = संधी
- रथी = योद्धा
- रिता = रिकामा
- लालसा = इच्छा
- लावन्य = सौंदर्य
- लोकोत्तर = श्रेष्ठ
- लोह = लोखंड
- क्षुधा = भूक
- क्षीरसागर = दुधाचा समुद्र
- क्षीण = अशक्त
- क्षणभंगुर = थोडा काळ टिकणारे
- हताश = निराश
- हरित = हिरवे
- हाट = बाजार
- हिम = बर्फ
- वाशीम = संशय
- वापिका = विहीर
- वाली = रक्षण करणारा
- विषाद = खेद
- विश्राम = विश्रांती
- विवेक = सारासार विचार
- वैध = कायदेशीर
- वंचना = फसवणूक
- व्यथा = दुःख
- व्यय = खर्च
- शत = शंभर
- शर = बाण
- शीत = थंड
- सदाचार = चांगले आचरण
- सुरेल = गोड
- सुलक्षण = चांगले लक्षण
- सुविद्य = चांगला शिकलेला
- सूर = श्रवनिय आवाज
- सुकाळ = विपुलता
- सुचिन्ह = चांगले चिन्ह
- संकल्प = बेत
- साम्य = सारखेपणा
- सिद्ध = तयार
- स्वेच्छा = स्वतःची इच्छा

- रस्ता = वाट
- हाक = साद
- ऐट = रुबाव
- शाळा = विद्यालय
- ढग = मेघ
- पक्षी = पाखरु
- ऊन = सूर्यप्रकाश
- रान = वन
- आभाळ = आकाश
- डोंगर = पर्वत
- झोका = झुला
- धरणी = धरती
- जीव = प्राण
- आस = ओढ
- दिवस = दिन
- डोळा = नयन
- बरकत = भरभराट
- मोरणी = लांडोर
- पाणी = जल
- करुना = दया
- दिन = गरीब
- स्फूर्ती = प्रेरणा
- शक्ती = जोर
- चक्र = चाक
- वाणी = भाषा, बोल
- मानव = माणूस
- जंगल = रान
- झाड = वृक्ष
- लांब = दूर
- नृत्य = नाच
- लढा = संघर्ष
- कारागृह = तुरुंग
- आंदोलन = चळवळ
- शाहिद = हुतात्मा